[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5156 **H**

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **UGCF, BA (H)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. निम्नलिखित में से किसी चार का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

(i) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति। केवलश्च निसर्गतएवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभा-पनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोप-चारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः।

(ii) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलकप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः । विशेषेणतु राज्ञाम् । विरला हि तेषामुपरदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

(iii) स पुनरिमान् प्रत्याह- 'कोऽसौ मार्गः' इति। पुनरिमे ब्रुबते- 'ननु चतस्रो राजविद्याः, त्रयीवार्ताऽऽन्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति। तासु तिस्रस्त्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च। अधीष्व तावद्दण्डनीतिम्। इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता। सैवेयमधीत्य सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा' इति। स 'तथा' इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) अथ सोऽप्याचचक्षे- 'देव' मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित् कूपाभ्याशेऽष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत्- 'महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम् अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममेकशरणभूतः पतितः ।

(v) "अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमिकुसुमानि" इति चिन्तयन्, कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे। बटुरसौ आकृत्या सुन्दरः, वर्णन गौरः, जटाभिर्ब्रह्मचारी, वयसा षोडशवर्षदेशीयः, कम्बुकण्ठः, आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चाऽऽसीत्।

(vi) अलं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द-मधुरा अपः पाययन्.....।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

Explain any **two** of the following with reference to the context :

(i) तदनन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमप्यतिष्ठत्। स सर्वगुणै: समृद्धोऽपि दैवाद् दण्डनीत्यां नात्यादृतोऽभूत्। तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मन्त्रिवृद्धः, पितुरस्य बहुमतः, प्रगल्भवागभाषत-'तात, सर्वैवात्मसंपदाभिजनात्प्रभृत्यन्यूनैवात्रभवति लक्ष्यते। बुद्धिश्च निसर्गपट्वी कलासु नृत्यगीतादिषु चित्रेषु च काव्यविस्तरेषु प्राप्तविस्तारा तवेतरेभ्य: प्रतिविशिष्यते ।

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेक: समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामा: समागत्य मध्ये-मध्ये तं पूजयन्ति, प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमेश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) नपरिचयंरक्षति। नाभिजनमीक्षते। नरूपमालोकयते। नकुलक्रममनुवर्तते। नशीलंपश्यति। नवैदग्ध्यंगणयति। नश्रुतमाकर्णयति। नधर्ममनुरुध्यते। नत्यागमाद्रियते। नविशेषज्ञतांविचारयति। नाचारंपालयति। नस त्यमवबुध्यते। नलक्षणंप्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेवपश्यतएवनश्यति।

(iv) अतिप्रयत्नविधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविधगन्धगजगण्डमधुपानमत्तेव परिस्खलति। पारुष्यमिवोपशिक्षितुमसिधारासु निवसति। विश्वरूपत्वमिव ग्रहितुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्। अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलपि मुञ्चति भूभुजम्। लतेव विटपकानध्यारोहति।

3. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (11)

Critically examine the statement- 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश में चित्रित लक्ष्मी के स्वरुप का वर्णन कीजिए।

Explain the nature of Lakshmi on the basis of Shuknasopadesh.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विस्तृत विवेचना कीजिए। (11)

Describe the prose style of Ambikadatt Vyasa in detail.

अथवा / OR

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर भगवान् सूर्य की महिमा का वर्णन कीजिए।

Explain the glory of Lord Surya on the basis of First canto of Shivrajavijaya.

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (11)

Critically examine the statement- 'दण्डिनः पदलालित्यम्' with examples.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Elaborate the statement of Viharbhadra as depicted in the Vishrutcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं **पाँच** रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य की विकास यात्रा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write a detailed essay on the development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following :

हर्षचरित, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र, कादम्बरी ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : (2×5=10)

Write notes on any **two** of the following, one of which should be in Sanskrit :

चन्द्रापीड, मृगतृष्णा, योगिराज, सतीर्थ्य, अनर्थपरम्परा ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5203 **H**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. रामायण के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

Sketch the Character of Rama on the basis of the Ramayana.

अथवा / OR

रामायणाधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिये।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Ramayana.

2. 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' - कथन का मूल्यांकन कीजिए। (15)

Evaluate the Statement – 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्'.

अथवा / OR

महाभारताधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिए।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Mahabharata.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिये : (2×6=12)

Translate any **two** of the following :

(i) देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम् ।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ।।

(iii) निर्मर्यादस्तु पुरुषः पापाचारसमन्वितः ।
मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्र दर्शनः ।।

(iv) दत्तमिष्टं हुतं चैव तप्तानि च तपांसि च ।
वेदाः सत्यप्रतिष्ठानास्तस्मात्सत्यपरो भवेत् ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×9=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ।।

(ii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः ।।

(iii) सत्यमेवानृशंसं च राजवृत्तं सनातनम् ।
तस्मात्सत्यात्मकं राज्यं सत्ये लोकः प्रतिष्ठितः ।।

(iv) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः ।
धर्मः सत्यं परो लोके मूलं स्वर्गस्य चोच्यते ।।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write notes of any **three** of the following :

(i) अद्भुत रामायण

(Adbhuta Ramayana)

(ii) अध्यात्म रामायण

(Adhyatma Ramayana)

(iii) रामायणकालीन आदर्श परिवार

(Ideal Family of the Ramayana Period)

(iv) रामायणकालीन आदर्श समाज

(Ideal Society of the Ramayana Period)

(v) महाभारत में वर्णित जीवन मूल्य

(life values described in the Mahabharata)

(vi) रामायणाधारित भारतीय भाषाओं का साहित्य

(Literature of Indian Language based on the Ramayana)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकः
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5254 **H**

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Śāstric Literature

Name of the Course : **BA (H.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. प्राचीन भारतीय विज्ञान की भाषा संस्कृत है-सोदाहरण स्पष्ट करें। (15)

Sanskrit is the language of ancient Indian science-explain with examples.

2. भारतीय संगीत-शास्त्र के उद्‌भव और विकास को स्पष्ट करें। (15)

Explain the origin and development of Indian sangit-shastra.

3. आयुध विज्ञान के इतिहास को स्पष्ट कीजिये। (15)

Explain the history of Ayudhvigyaan.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. व्याकरण-शास्त्र के प्रक्रिया ग्रंथ के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the History of prakriyaa granth of grammar.

5. भारतीय ज्ञान परम्परा में छंद शास्त्र के महत्त्व को दर्शाते हुए आलोचनात्मक सर्वेक्षण करें। (15)

Make a critical survey of meter empathising its importance in Indian knowledge system.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी कीजिए : (15)

Write short-notes on any **three** of the following :

(i) आचार्य चरक

Acharya-charak

(ii) पतंजलि

Patanjali

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) निरुक्त

Nirukt

(iv) कोश-शास्त्र

Kosh-shastra

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1467 **H**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **Four** of the following :

(क) वेदार्थ-शास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।
भूमीतलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः ।।

(ख) सर्वेजनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा ।
निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः ।।

(ग) स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा ।
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते ।।
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः ।
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते ।।

(घ) इयं वात्सल्यभूमिर्दिव्यभूमिर्वा भवेत् कामम् ।
अभिष्वंगा अनगंस्य प्रतीहाराः क्व यातास्ते ।।

(ङ) नौकामिह सारं सारम्
गन्तास्मि कदाचित्पारम्
उत्तीर्णः स्यामपि मन्ये
पारावारमपारम् ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(च) हन्त भोः । गृहसारिकाः समुपेक्ष्य कुण्ठितकण्ठं शुक आनीतः? यदि नाम मत्कन्यकाः प्रारम्भादेव मद्वात्सल्यलालिला अभविष्यन् अवश्यमेवासां सदगुणविकाशोऽभविष्यत् । मां नृशंसं दृष्ट्वैव गवयकिशोर्य इवेमा इतस्ततः पलायाञ्चक्रु । नाहमासां पिता भवितुमर्हामि ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain any **Three** of the following :

(क) त्वमष्टमूर्तेर्यजमानमूर्त्तिस्त्वं विश्वमूर्त्तिस्त्वमु विश्वनाथः ।
रे शान्तिगंगाधर! मानवात्मन्नघोर एष त्वमसिप्रकृत्या ।।

(ख) मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति ।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम् ।।

(ग) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति ।
क्रमशोबृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपिमुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते ।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ।।
सत्कार्यपेषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ।।

(घ) स्नानगृहं गत्वा
गृहक्लेशश्रान्ता वधूः
निः शब्द रोदिति
तदा
स्नानगृहं तस्याः पितृगृहं भवति ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य में वर्णित मानवीय-दर्शन का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the Human philosophy as described in 'Swatantryasambhavam' Epic.

अथवा / Or

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के सन्दर्भ में शतपर्विका कथा का मूल्याङ्कन कीजिए।

Evaluate the story of Shatparvika in the context of 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'.

4. 'संकल्पगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। (10)

Give a review of 'संकल्पगीतिः'.

अथवा / Or

पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the contemporary knowledge as depicted in the poems of Pt. Bachchulal Awasthi.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं **चार** पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** underline words in Question no. 1 and 2.

6. कतमा कविता का सामाजिक सन्देश संस्कृत भाषा में लिखिए। (7)

Write the social massage of the कतमा कविता in Sanskrit language.

(1000)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1772 **H**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer any **five** among the following but Question No. 7 is compulsory.

4. Each question carries equal marks. (15×5=75)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

1772

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं **पांच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए किन्तु प्रश्न संख्या **सात** अनिवार्य है ।

4. **सभी** के अंक समान हैं । (15×5=75)

1. अवेस्ता तथा रोम व वैदिक धर्म की समानताओं का विवेचन कीजिए । (15)

Discuss the similarities between Vedic and Avestan-Roman religions.

2. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफीवाद व उपनिषदों की समानताओं का निरूपण कीजिए । (15)

Discuss the similarities between Sufism and the Upanishads in the light of Dara Shikoh's translations of the Upanishads.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. विश्व साहित्य को पञ्चतन्त्र की देन पर निबन्ध लिखिये। (15)

Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

4. रामायण ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के साहित्य व संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित किया है? (15)

How has the Ramayana influenced literature & culture in South East Asian Countries?

5. 19वीं शती में यूरोप ने अभिज्ञानशाकुन्तलम् का स्वागत बहुत उत्साह से किया। विवेचन कीजिये। (15)

The Abhijnanashakunatlam was received with great enthusiasm in the 19th century Europe. Discuss.

6. ब्रिटेन व अमेरीका में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये। (15)

Write an essay on Sanskrit studies in the Britain and US.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (2×7.5=15)

Write note on any **two** of the following :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(क) यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए।

Write a note on The propagation of the Gita in Europe.

(ख) कालिदास की कृतियों का पाश्चात रंगमंच पर प्रभाव, टिप्पणी लिखिए।

Write a note on the impact of Kalidas's works on later theatre.

(ग) जर्मनी में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Sanskrit studies in the Germany.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5126 H

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : BA (H), Sanskrit

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **all** questions.

3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of **any two** of the following verses:

(क) वेदार्थशास्त्रर्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।

भूमितलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः।।

(ख) तां कालरात्रीमिव लेलिहानां दूतीं शिवस्येव करालवृत्ताम् ।

माता यशोदेव महानुभावामलालयत साध्वसिनी तदम्बा ।।

(ग) वयं सुपुत्राः प्रिय- मातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्मांश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः।।

(घ) प्रविश्य सेनां दलिता बभूवुः सुशिक्षिताः श्रीयुतप्रतिष्ठाः।

महारसेनापथकैः समैच्छज् जित्वा भुवं शासितमाङ्गलराष्ट्रः।।

2. महाकाव्य ''स्वातन्त्र्यसम्भवम्'' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु को लिखिए। (10)

Write the subject-matter of the second canto of the epic "Svatantryasambhavam".

अथवा

OR

''भीमायनम्'' महाकाव्य में वर्णित सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the social message described in the epic "Bhimayanam".

5126

3. ''शतपर्विका'' कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the social message described in "Shataparvika Katha".

अथवा

OR

''शार्दूलशकटम्'' की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Describe the plot of "Shardulshaktam" in detail.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any two of the following:

(क) सौभाग्यवति! गच्छ । निर्भरं तावत् रसवतीं सज्जय । किमपि स्वादु नवीनं वा वायञ्जनं पच। नाहं रुग्ण:। स्वस्थोऽस्मि जात: । रोगस्तु मम मनस्यासीत् न शरीरे । सोऽपि द्राग्दूरीभूत: । रमोद्वाहेनावशिष्टोऽपि रोगो में प्रविष्टा ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ख) अन्तर्दधाति वसुधा कनकादिवित्तं सर्वं तदेव निहितं प्रसवाय तस्याः ।

लुब्धास्तथापि धनिकाः खलवृत्तिवश्या दैन्यं नयन्ति हि जनं बलकूटरिक्तम्।।

(ग) रामलालो वामपार्श्वं परिवर्त्य दक्षिणपार्श्वेन शेतुमुपक्रमते । प्रत्यभिज्ञानभयात् रमा काष्ठपुत्तलिकेव अकीञ्चित्करी तिष्ठति। द्वित्रैरेव क्षणैः दीर्घनिःश्वासान् मुञ्चति रामलालः । रमा जानाति, यत्तातो निर्भरं स्वपिति ।

(घ) अमृतस्य वाक्यमतीव मिष्टं सखीनां करोति स शुभमिष्टम् ।

सदा मन्यते विषवत्परूषं लीलया जहाति मन्दपुरुषम् ।।

5. हरिराम आचार्य कृत गीतिकाव्य ''संकल्पगीतिः'' की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the lyric poem "Sankalpageeti" written by Hariram Acharya.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

OR

राधावल्लभ त्रिपाठी रचित ''गीतधीवरम्'' के वर्ण्यविषय को स्पष्ट करें।

Explain the subject matter of "Geetadheevaram" written by Radhavallabh Tripathi.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए: (10)

Translate any two of the following:

(क) शब्दगुम्फं विधाय क्वचिद् यत्नतः काव्यबन्धं कथञ्चिद् वयं कुर्महे।

नैव भासो न माघो न बाणोऽधुना ब्रूहि कोऽस्मिन् यूगे कालिदासायते ।।

(ख) संकल्पस्य न कोऽपि विकल्पः, हठयोगीव भवति संकल्पः ।

शिवसङ्कल्पं हृदि धारयत, कलुषं स्वयं नशिष्यति रे।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे।

(ग) प्रसरति तमस्तोम एषोऽयं यदपिच्छन्नाकाशः ।

कृतन्ति किन्तु तवायमथैनमन्तर्दीपप्रकाशः।।

(घ) खनेः कृष्णाङ्कारः बहिरायाती

असौ हरितपर्ण पश्यति

तदा शोकेनात्मानं प्रज्वालयति ।

7. निम्नलिखित में से **किन्ही चार** पर टिप्पणी लिखिए। (20)

Write comment on any four of the following.

(i) रामकरण शर्मा

(ii) पण्डिता क्षमा राव

(iii) यतीन्द्र विमल चौधुरी

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) जगन्नाथ पाठक

(v) जानकी वल्लभ शास्त्री

(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5180 **H**

Unique Paper Code : 2132102402

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B. A. (H.) Sanskrit,**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं 3** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (18×3=54)

Answer **any three** questions out of the following:

(i) विश्व साहित्य से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत साहित्य के प्रति विभिन्न यूरोपीय दृष्टिकोणों का वर्णन करें ।

What do you understand by world literature? Describe the various European approaches towards Sanskrit literature.

(ii) वेदान्त दर्शन के महत्व तथा इसके वैश्विक प्रभाव का मूल्यांकन करें ।

Evaluate the importance of Vedanta philosophy and its global impact.

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के विभिन्न यूरोपीय भाषाओं में हुए अनुवादों तथा उनके प्रभाव का वर्णन करें ।

Describe the impact of translations of abhijñanasakuntalam into various European languages.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) पंचतंत्र की वैश्विक यात्रा का वर्णन करें ।

Describe the global journey of Panchatantra.

(v) ब्रिटेन में संस्कृत अध्ययन की परम्परा का वर्णन करें ।

Describe the tradition of Sanskrit studies in Britain.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (6×3=18)

Write short notes on **any three** of the following:

(i) दाराशिकोह के द्वारा किये गए उपनिषदों के फारसी अनुवाद ।

Persian translation of Upanishads by Darashikoh.

(ii) दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में रामायण की परम्परा ।

Ramayana tradition in Southeast Asian countries.

(iii) स्वच्छंदतावाद ।

Romanticism.

(iv) संयुक्त राज्य अमेरिका में संस्कृत अध्ययन की परम्परा ।

Tradition of Sanskrit studies in the United States of America.

(v) अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय ।

International Association of Sanskrit Studies.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: (8×1=8)

Write short note in Sanskrit on any **one** of the following:

(i) कालिदास की रचनाओं का वैश्विक प्रभाव ।

Global impact of Kalidasa's works.

(ii) औपनिषदिक दर्शन का महत्व ।

Importance of Upanishad's philosophy.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के **तीन** भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए: (2.5×4=10)

Give the equivalent from any three Indo&European languages for any four of the words given below

सूर्य वच् अश्व माता अग्नि श्रु

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5229 **H**

Unique Paper Code : 2132102403

Name of the Paper : Indian Epigraphy II

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

भाग 'क' / Part-A

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

$(18 \times 3 = 54)$

Answer any **Three** questions of the following :

1. रुद्रदामन के गिरनार अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व लिखिए।

   Write historical importance of Girnar Inscription of Rudradaman.

2. महरौली लौहस्तंभ अभिलेख के चंद्र कौन हैं, विस्तार से लिखिए।

   Explain who is 'Chandra' of Mehrauli iron pillar.

3. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेख के महत्व पर चर्चा कीजिए।

   Discuss the importance of Inscription as a source of Ancient Indian history.

4. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को जानने में अभिलेखों की महती भूमिका है, स्पष्ट कीजिए।

   Explain the Significance of Inscriptions in understanding ancient Indian Culture and Society.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. प्राचीन भारतीय अभिलेखों में किस प्रकार से काल गणना की गई है ?

How is dating system adopted in the Ancient Indian Inscriptions?

भाग 'ख' / Part-B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (9×2=18)

Translate any **Two** of the following :

(i) ।।ओं।। आविन्ध्यादाहिमाद्रेर्विरचित विजयस्तीर्थ यात्रा प्रसङ्गा-
दुद्वीवेषु प्रहर्त्ता नृपतिषु विनमत्कन्धरेषु प्रसन्नः ।
आर्यावर्तं यथार्थं पुनरपि कृतवान्लेच्छ विच्छेदनाभि-
र्देवः शाकम्भरीन्द्रो जगति विजयते वीसल क्षोणिपालः ।।

(ii) प्राप्तेन स्वभुजार्जितं च सुचिरं चैकाधिराज्य क्षितौ
चन्द्राह्वेन समग्रचन्द्रसदृशीं वक्त्रश्रियं बिभ्रता ।
तेनायं प्रणिधाय भूमिपतिना धावेन विष्णौ मतिं
प्रान्शुर्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः ।।

(iii) गृहिणां स्वस्वगुणैस्त्रिवर्गतुङ्गा ।
विहितान्यक्षितिपालमानभङ्गाः ।
अभवन्नुपजातभीतिलिङ्गा ।
यदनीकेन सकोसलाः कलिङ्गाः ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

भाग 'ग' / Part-C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (9×2=18)

Write short notes on any **Two** of the following :

(i) देहली टोपरा प्रथम स्तम्भ अभिलेख।

First Pillar Edict Delhi Topra.

(ii) रुद्रदामा के द्वारा किये गए सामाजिक कार्य।

Describe the social works of Rudradaman.

(iii) अभिलेखों में वर्णित प्राचीन आर्थिक जीवन।

Ancient economic life described in Inscriptions.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1375 **H**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : **B.A. (H), Sanskrit – LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – क / Section A

1. आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय देते हुए भारतीय दर्शन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए । (6)

Giving a general introduction to theistic philosophies, explain the purpose of Indian philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवादी विचार के रूप में मध्वाचार्य के दर्शन का वर्णन कीजिए ।

Describe Madhvacharya's philosophy as a dualistic thought.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. कार्यकारण विषयक विवर्तवाद एवं आरम्भवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the cause and effect related doctrines vivartavāda and āraṃbhavāda.

अथवा / OR

कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का वर्णन कीजिए।

Discuss the cause and effect doctrine of Saṃkhya.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write a short note on any **two** of the following :

(i) परिणामवाद

(Doctrine of Transformation)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) यथार्थवाद

(Realism)

(iii) एकतत्त्ववाद

(Monism)

भाग – ख / Section B

4. पदार्थ की परिभाषा देते हुए द्रव्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

Giving the definition, discuss the types of dravya (matter). (7)

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार विशेष एवं अभाव पदार्थ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Viṣeśa and abhāvapadārtha according to Tarkasaṃgraha.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) परमपरं चेति द्विविधं सामान्यम् ।

(ii) चलनात्मकं कर्म ।

(iii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) आकाश

(ākāṣa)

(ii) आत्मा

(ātmā)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) समवायी - असमवायी कारण

(samavāyi-asamavāyikāraṅa)

(iv) यथार्थ अनुभव

(yathārtha-anubhava)

भाग – ग / Section C

7. प्रत्यक्ष का लक्षण निरुपित करते हुए षड्विधइन्द्रियार्थसन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए। (7)

Defining the Pratyaksh explain षड्विध इन्द्रियार्थसन्निकर्ष.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with example the differences of hetvabhasa according to the Tarkasamgraha.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्य ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।

(ii) आप्तवाक्यं शब्दः ।

(iii) सर्वव्यवहारहेतुर्ज्ञानं बुद्धिः ।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम् ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) पक्ष–सपक्ष–विपक्ष

(paksh-sapaksh-vipaksh)

(ii) केवलव्यतिरेकी

(kevalavyatireki)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) संशय - तर्क

(sanshay-tark)

(iv) परामर्श

(Counseling)

(1500)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1419 **H**

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (4)

Explain with examples the rules of चतुर्थी विभक्ति.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं 2 सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following sutras :

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्मणि द्वितीया, प्रातिपदिकार्थलिङ्ग-परिमाणवचनमात्रे प्रथमा

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों में सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : (4)

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(i) शिष्यः गुरुं प्रश्नं पृच्छति ।

(ii) छात्रजीवनं मानवजीवनस्य आधारशिला वर्तते ।

(iii) अर्जुनः धनुर्विद्यायां निपुणः आसीत् ।

(iv) वामनः बलिं वसुधां याचते ।

(v) उपाध्यायाद् अधीते ।

(vi) रामः रावणाय अलम् अस्ति ।

(vii) भोजनस्य हेतोः वसति ।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (4)

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** में वाच्य परिवर्तन कीजिए :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Change the voice in any **four** of the following :

(i) सोहनः गृहं गच्छति ।

(ii) ते चलचित्रं पश्यन्ति ।

(iii) देवैः आशीर्वादाः दीयन्ते ।

(iv) सः गां दुग्धं दोग्धि ।

(v) त्वया मया तैः हस्यते ।

(vi) कन्या संस्कृतं पठति ।

(vii) गोपालः गीतं गायति ।

(viii) रामेण शीयते ।

4. शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (3)

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

अथवा / Or

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill up the blanks of any **six** of the following with suitable suffixes :

(i) त्वया भोजनं _____ (खाद्+क्त)।

(ii) _____ (हस्+शतृ) नरं पश्य।

(iii) रमेशः मोदकं _____ (दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।

(iv) आशुतोषः क्रीडनकानि _____ (क्री+तुमुन्) गमिष्यति।

(v) रमणिका भोजनं _____ (पच्+शानच्) अस्ति।

(vi) नरः नृपं _____ (प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।

(vii) कन्यया कुत्रापि न _____ (गम्+अनीयर्)।

(viii) विनीता पत्र _____ (लिख्+क्तवतु)।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए : (10)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Translate in Sanskrit Language any **ten** sentences of the following :

(i) तुम कहाँ जाते हो।

Where do you go.

(ii) लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं।

People worship God in temple.

(iii) शुभकर्म करने वालों को नमस्कार हो।

Greetings to good doers.

(iv) छात्रों का कल्याण हो।

Students should be blessed.

(v) तुम सब कब खेलोगे?

When did you all play?

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(vi) तुम जो बोओगे, वह काटोगे।

What you sow, so shall you reap.

(vii) भक्त शिव को नमस्कार करते हैं।

Devotees bow to Shiva.

(viii) गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है।

Gayatri mantra enriches one's intellect.

(ix) जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं।

Water the parts of the body.

(x) छात्रों ने लड्डू खाए।

Students ate laddoos.

(xi) तुम सब मेरे साथ चलो।

All of you move with me.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(xii) माता गृहकार्य में कुशल है।

Mother is expert in household chores.

(xiii) घर के नीचे जल है।

There is water beneath the house.

(xiv) वृक्षों के ऊपर कौवे बैठे हैं।

Crows are sitting on the trees.

(xv) हम दोनों तुम दोनों को देखते हैं।

We both are looking you both.

(xvi) माँ बच्चे से प्यार करती है।

Mother loves the child.

6. अधोलिखित गद्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए - (10)

Translate the following into Sanskrit.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

राजा राहूगण पालकी में यात्रा कर रहे थे। चार मजदूर उनकी पाल उठाए दौड़ रहे थे। सफर लंबा था। तभी एक कुएँ के पास पालकी उतारकर मजदूरों ने कहा, "प्यास लगी है, हुजूर! जरा पानी पीकर आते हैं।"

उनमें से एक मजदूर तो इतना थक गया था कि एक कदम भी चलने की हिम्मत उसमें बाकी नहीं थी। वह वहीं से जान छुड़ाकर भाग गया। अब बचे रहे तीन। पालकी कैसे उठाई जाये? इतने में सामने से जड़भरत आते दिखे।

King Rahugan was travelling in a palanquin. Four workers were running with their palanquins. The journey was long. Then the workers took off the palanquin near a well and said, "I am thirsty, sir! Let's drink some water."

One of the workers was so tired that he did not have the courage to walk even a single step. He escaped from there. Now three survive. How to lift the palanquin? In the meantime, roots were seen coming from the front.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7. निम्न में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any **one** of the following paragraphs into Hindi or into English :

कृष्णचन्द्रः नाम कश्चित् जनः आसीत्। सः रूपवान् महाधनिकः च आसीत्। दैवेन तस्मै सर्व दत्तम् आसीत्। सुन्दरी गुणवती च भार्या, उत्तमः सन्तानः, प्रियतमाः बान्धवाः, गुणवन्तः सुहृदः च तस्य आसन्। तथापि तस्य पूर्णा सन्तुष्टिः न आसीत्। "मम पार्श्वे सर्वम् अस्ति। अतः भाग्यवान् अस्मि एव, परन्तु किं एतानि सर्वाणि निरन्तरं ममं एवं भविष्यन्ति? यदि कदाचित् मम भाग्यं क्षीणं भविष्यति तर्हि कथम् अहं जीवेयम्? अपि च, आगामिनि जन्मनि अपि इदम् एव गृहं, क्षेत्रं, कुटुम्बं, भार्या, पुत्राः च किं मम भवेयुः? एतस्याः समस्यायाः परिहारः कः? इति विचारः तम् अहोरात्र बाधते स्म। यत् यं वा सः पश्यति तस्य विषये चिन्तयति- **'एतद् एषः वा सर्वदा किं मम एवं भविष्यति?'** इति। एतेन भोजने तस्य रुचिः विनष्टा। निद्रा अपि दूरं गता। एकस्मिन् दिने चित्तशान्ति अर्थं सः मन्दिरं गतवान्। तत्र प्रवचनकर्ता कश्चित् प्रवचन कुर्वन् आसीत्। सः अवदत्- **"भूलोके सर्वम् अनित्यम् देवाः अमृतस्य सेवनात् चिरञ्जीविनः नित्यसुखिनः च भवन्ति"** इति।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / Or

ये जनाः दृढ़प्रतिज्ञाः भवन्ति, तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः भूतवन्तः ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेषपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवन वने वनेऽभ्रमत्। स्वभार्या बालश्च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनं बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्ग नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त, ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :- (15)

Write an essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :–

संस्कृतभाषायाः **महत्त्वम्**, वेदानां महत्त्वम्, भारवेरर्थगौरवम्, गीता

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत-भाषा में लघु-निबन्ध लिखिए :- (15)

Write a short essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :–

आतंकवादः, कोरोना, पर्यावरणसंरक्षणम्, संगणकस्य उपयोगिता

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5156 **H**

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **UGCF, BA (H)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. निम्नलिखित में से किसी **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

(i) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्ट-व्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गतएवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभा-पनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोप-चारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः।

(ii) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलकप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः । विशेषेणतु राज्ञाम् । विरला हि तेषामुपरदेष्टारः । प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात् ।

(iii) स पुनरिमान् प्रत्याह- 'कोऽसौ मार्गः' इति। पुनरिमे ब्रुबते- 'ननु चतस्रो राजविद्याः, त्रयीवार्ताऽऽन्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति। तासु तिस्रस्त्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च। अधीष्व तावद्दण्डनीतिम्। इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता। सैवेयमधीत्य सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा' इति। स 'तथा' इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) अथ सोऽप्याचचक्षे- 'देव' मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित् कूपाभ्याशेऽष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत्- 'महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम् अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममेकशरणभूतः पतितः ।

(v) "अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमिकुसुमानि" इति चिन्तयन्, कदलीदलमेकमाकुञ्च्य, तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे। बटुरसौ आकृत्या सुन्दरः, वर्णन गौरः, जटाभिर्ब्रह्मचारी, वयसा षोडशवर्षदेशीयः, कम्बुकण्ठः, आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चाऽऽसीत्।

(vi) अलं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे। यां च सप्तवर्षकल्पाम्, यावनत्रासेन निःशब्दं रुदतीम्, परमसुन्दरीम्, कलित-मानव-देहामिव सरस्वतीं सान्त्वयन् मरन्द-मधुरा अपः पाययन्.....।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

Explain any **two** of the following with reference to the context :

(i) तदनन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमप्यतिष्ठत्। स सर्वगुणैः समृद्धोऽपि दैवाद् दण्डनीत्यां नात्यादृतोऽभूत्। तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मन्त्रिवृद्धः, पितुरस्य बहुमतः, प्रगल्भवागभाषत–'तात, सर्वैवात्मसंपदाभिजनात्प्रभृत्यन्यूनैवात्रभवति लक्ष्यते। बुद्धिश्च निसर्गपट्वी कलासु नृत्यगीतादिषु चित्रेषु च काव्यविस्तरेषु प्राप्तविस्तारा तवेतरेभ्यः प्रतिविशिष्यते ।

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये–मध्ये तं पूजयन्ति, प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमेश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) नपरिचयंरक्षति। नाभिजनमीक्षते। नरूपमालोकयते। नकुलक्रममनुवर्तते। नशीलंपश्यति। नवैदग्ध्यंगणयति। नश्रुतमाकर्णयति। नधर्ममनुरुध्यते। नत्यागमाद्रियते। नविशेषज्ञतांविचारयति। नाचारंपालयति। नस त्यमवबुध्यते। नलक्षणंप्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेवपश्यतएवनश्यति।

(iv) अतिप्रयत्नविधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविधगन्धगजगण्डमधुपानमत्तेव परिस्खलति। पारुष्यमिवोपशिक्षितुमसिधारासु निवसति। विश्वरूपत्वमिव ग्रहितुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्। अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलपि मुञ्चति भूभुजम्। लतेव विटपकानध्यारोहति ।

3. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' इस कथन की समीक्षा कीजिए । (11)

Critically examine the statement- 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश में चित्रित लक्ष्मी के स्वरुप का वर्णन कीजिए ।

Explain the nature of Lakshmi on the basis of Shuknasopadesh.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विस्तृत विवेचना कीजिए। (11)

Describe the prose style of Ambikadatt Vyasa in detail.

अथवा / OR

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर भगवान् सूर्य की महिमा का वर्णन कीजिए।

Explain the glory of Lord Surya on the basis of First canto of Shivrajavijaya.

5. 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (11)

Critically examine the statement- 'दण्डिनः पदलालित्यम्' with examples.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर विहारभद्र के कथन का विवेचन कीजिए।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Elaborate the statement of Viharbhadra as depicted in the Vishrutcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं **पाँच** रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य की विकास यात्रा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write a detailed essay on the development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following :

हर्षचरित, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र, कादम्बरी ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : (2×5=10)

Write notes on any **two** of the following, one of which should be in Sanskrit :

चन्द्रापीड, मृगतृष्णा, योगिराज, सतीर्थ्य, अनर्थपरम्परा ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5203 **H**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

1. रामायण के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

Sketch the Character of Rama on the basis of the Ramayana.

अथवा / OR

रामायणाधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिये।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Ramayana.

2. 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्' - कथन का मूल्यांकन कीजिए। (15)

Evaluate the Statement – 'यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्'.

अथवा / OR

महाभारताधारित संस्कृत नाटकों का परिचय दीजिए।

Give an introduction of Sanskrit dramas based on the Mahabharata.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिये : (2×6=12)

Translate any **two** of the following :

(i) देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम् ।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ।।

(iii) निर्मर्यादस्तु पुरुषः पापाचारसमन्वितः ।
मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्र दर्शनः ।।

(iv) दत्तमिष्टं हुतं चैव तप्तानि च तपांसि च ।
वेदाः सत्यप्रतिष्ठानास्तस्मात्सत्यपरो भवेत् ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×9=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ।।

(ii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः ।।

(iii) सत्यमेवानृशंसं च राजवृत्तं सनातनम् ।
तस्मात्सत्यात्मकं राज्यं सत्ये लोकः प्रतिष्ठितः ।।

(iv) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः ।
धर्मः सत्यं परो लोके मूलं स्वर्गस्य चोच्यते ।।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write notes of any **three** of the following :

(i) अद्‌भुत रामायण

(Adbhuta Ramayana)

(ii) अध्यात्म रामायण

(Adhyatma Ramayana)

(iii) रामायणकालीन आदर्श परिवार

(Ideal Family of the Ramayana Period)

(iv) रामायणकालीन आदर्श समाज

(Ideal Society of the Ramayana Period)

(v) महाभारत में वर्णित जीवन मूल्य

(life values described in the Mahabharata)

(vi) रामायणाधारित भारतीय भाषाओं का साहित्य

(Literature of Indian Language based on the Ramayana)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकः
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5254 **H**

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Śāstric Literature

Name of the Course : **BA (H.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. प्राचीन भारतीय विज्ञान की भाषा संस्कृत है-सोदाहरण स्पष्ट करें। (15)

Sanskrit is the language of ancient Indian science-explain with examples.

2. भारतीय संगीत-शास्त्र के उद्‌भव और विकास को स्पष्ट करें। (15)

Explain the origin and development of Indian sangit-shastra.

3. आयुध विज्ञान के इतिहास को स्पष्ट कीजिये। (15)

Explain the history of Ayudhvigyaan.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

4. व्याकरण-शास्त्र के प्रक्रिया ग्रंथ के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the History of prakriyaa granth of grammar.

5. भारतीय ज्ञान परम्परा में छंद शास्त्र के महत्त्व को दर्शाते हुए आलोचनात्मक सर्वेक्षण करें। (15)

Make a critical survey of meter empathising its importance in Indian knowledge system.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी कीजिए : (15)

Write short-notes on any **three** of the following :

(i) आचार्य चरक

Acharya-charak

(ii) पतंजलि

Patanjali

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) निरुक्त

Nirukt

(iv) कोश-शास्त्र

Kosh-shastra

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(5)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1467 **H**

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **Four** of the following :

(क) वेदार्थ-शास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।
भूमीतलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः ।।

(ख) सर्वेजनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा ।
निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः ।।

(ग) स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा ।
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते ।।
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः ।
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते ।।

(घ) इयं वात्सल्यभूमिर्दिव्यभूमिर्वा भवेत् कामम् ।
अभिष्वंगा अनगंस्य प्रतीहाराः क्व यातास्ते ।।

(ङ) नौकामिह सारं सारम्
गन्तास्मि कदाचित्पारम्
उत्तीर्णः स्यामपि मन्ये
पारावारमपारम् ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(च) हन्त भोः । गृहसारिकाः सगुपेक्ष्य कुण्ठितकण्ठं शुक आनीतः? यदि नाम मत्कन्यकाः प्रारम्भादेव मद्वात्सल्यलालिला अभविष्यन् अवश्यमेवासां सदगुणविकाशोऽभविष्यत् । मां नृशंसं दृष्ट्वैव गवयकिशोर्य इवेमा इतस्ततः पलायाञ्चक्रु । नाहमासां पिता भवितुमर्हामि ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain any **Three** of the following :

(क) त्वमष्टमूर्तेर्यजमानमूर्त्तिस्त्वं विश्वमूर्त्तिस्त्वमु विश्वनाथः ।
रे शान्तिगंगाधर! मानवात्मन्नघोर एष त्वमसिप्रकृत्या ।।

(ख) मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति ।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम् ।।

(ग) सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति ।
क्रमशोबृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति ।।
दोषानपिमुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते ।
निर्वेदं निर्वास्य मनसि सममोदं दत्ते ।।
सत्कार्यपेषूत्साहवर्धिनी जडताजैत्री ।
स्नेहसारविश्रम्भसन्तता सज्जनमैत्री ।।

(घ) स्नानगृहं गत्वा
गृहक्लेशश्रान्ता वधूः
निः शब्द रोदिति
तदा
स्नानगृहं तस्याः पितृगृहं भवति ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य में वर्णित मानवीय-दर्शन का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the Human philosophy as described in 'Swatantryasambhavam' Epic.

अथवा / Or

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के सन्दर्भ में शतपर्विका कथा का मूल्याङ्कन कीजिए।

Evaluate the story of Shatparvika in the context of 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'.

4. 'संकल्पगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। (10)

Give a review of 'संकल्पगीतिः'.

अथवा / Or

पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the contemporary knowledge as depicted in the poems of Pt. Bachchulal Awasthi.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 के रेखांकित किन्हीं **चार** पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** underline words in Question no. 1 and 2.

6. कतमा कविता का सामाजिक सन्देश संस्कृत भाषा में लिखिए। (7)

Write the social massage of the कतमा कविता in Sanskrit language.

(1000)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1772 **H**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B.A. Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer any **five** among the following but Question No. **7** is compulsory.

4. Each question carries equal marks. (15×5=75)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं **पांच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए किन्तु प्रश्न संख्या **सात** अनिवार्य है ।

4. **सभी** के अंक समान हैं । (15×5=75)

1. अवेस्ता तथा रोम व वैदिक धर्म की समानताओं का विवेचन कीजिए । (15)

Discuss the similarities between Vedic and Avestan-Roman religions.

2. दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के सन्दर्भ में सूफीवाद व उपनिषदों की समानताओं का निरूपण कीजिए । (15)

Discuss the similarities between Sufism and the Upanishads in the light of Dara Shikoh's translations of the Upanishads.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. विश्व साहित्य को पञ्चतन्त्र की देन पर निबन्ध लिखिये। (15)

Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

4. रामायण ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों के साहित्य व संस्कृति को किस प्रकार प्रभावित किया है? (15)

How has the Ramayana influenced literature & culture in South East Asian Countries?

5. 19वीं शती में यूरोप ने अभिज्ञानशाकुन्तलम् का स्वागत बहुत उत्साह से किया। विवेचन कीजिये। (15)

The Abhijnanashakunatlam was received with great enthusiasm in the 19th century Europe. Discuss.

6. ब्रिटेन व अमेरीका में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये। (15)

Write an essay on Sanskrit studies in the Britain and US.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (2×7.5=15)

Write note on any **two** of the following :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(क) यूरोप में गीता के प्रचार व प्रसार पर निबन्ध लिखिए।

Write a note on The propagation of the Gita in Europe.

(ख) कालिदास की कृतियों का पाश्चात रंगमंच पर प्रभाव, टिप्पणी लिखिए।

Write a note on the impact of Kalidas's works on later theatre.

(ग) जर्मनी में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Sanskrit studies in the Germany.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5126 **H**

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **BA (H), Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of **any two** of the following verses:

(क) वेदार्थशास्त्रर्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च ।

भूमितलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः।।

(ख) तां कालरात्रीमिव लेलिहानां दूतीं शिवस्येव करालवृत्ताम् ।

माता यशोदेव महानुभावामलालयत साध्वसिनी तदम्बा ।।

(ग) वयं सुपुत्राः प्रिय- मातृभूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्मः ।

उद्धर्तुमस्मांश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः।।

(घ) प्रविश्य सेनां दलिता बभूवुः सुशिक्षिताः श्रीयुतप्रतिष्ठाः।

महारसेनापथकैः समैच्छज् जित्वा भुवं शासितमाङ्गलराष्ट्रः।।

2. महाकाव्य ''स्वातन्त्र्यसम्भवम्'' के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु को लिखिए। (10)

Write the subject-matter of the second canto of the epic "Svatantryasambhavam".

अथवा

OR

''भीमायनम्'' महाकाव्य में वर्णित सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the social message described in the epic "Bhimayanam".

3. ''शतपर्विका'' कथा में वर्णित सामाजिक सन्देश की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the social message described in "Shataparvika Katha".

अथवा

OR

''शार्दूलशकटम्'' की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।

Describe the plot of "Shardulshaktam" in detail.

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any two of the following:

(क) सौभाग्यवति! गच्छ । निर्भरं तावत् रसवतीं सज्जय । किमपि स्वादु नवीनं वा वायञ्जनं पच। नाहं रुग्ण:। स्वस्थोऽस्मि जात: । रोगस्तु मम मनस्यासीत् न शरीरे । सोऽपि द्राग्दूरीभूत: । रमोद्वाहेनावशिष्टोऽपि रोगो में प्रविष्टा ।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ख) अन्तर्दधाति वसुधा कनकादिवित्तं सर्वं तदेव निहितं प्रसवाय तस्याः ।

लुब्धास्तथापि धनिकाः खलवृत्तिवश्या दैन्यं नयन्ति हि जनं बलकूटरिक्तम्।।

(ग) रामलालो वामपार्श्वं परिवर्त्य दक्षिणपार्श्वेन शेतुमुपक्रमते । प्रत्यभिज्ञानभयात् रमा काष्ठपुत्तलिकेव अकीञ्चित्करी तिष्ठति। द्वित्रैरेव क्षणैः दीर्घनिःश्वासान् मुञ्चति रामलालः । रमा जानाति, यत्तातो निर्भरं स्वपिति ।

(घ) अमृतस्य वाक्यमतीव मिष्टं सखीनां करोति स शुभमिष्टम् ।

सदा मन्यते विषवत्परुषं लीलया जहाति मन्दपुरुषम् ।।

5. हरिराम आचार्य कृत गीतिकाव्य "संकल्पगीतिः" की समीक्षा कीजिए। (10)

Review the lyric poem "Sankalpageeti" written by Hariram Acharya.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा

OR

राधावल्लभ त्रिपाठी रचित ''गीतधीवरम्'' के वर्ण्यविषय को स्पष्ट करें।

Explain the subject matter of "Geetadheevaram" written by Radhavallabh Tripathi.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए: (10)

Translate any two of the following:

(क) शब्दगुम्फं विधाय क्वचिद् यत्नतः काव्यबन्धं कथञ्चिद् वयं कुर्महे।

नैव भासो न माघो न बाणोऽधुना ब्रूहि कोऽस्मिन् यूगे कालिदासायते ।।

(ख) संकल्पस्य न कोऽपि विकल्पः, हठयोगीव भवति संकल्पः ।

शिवसङ्कल्पं हृदि धारयत, कलुषं स्वयं नशिष्यति रे।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे।

(ग) प्रसरति तमस्तोम एषोऽयं यदपिच्छन्नाकाशः ।

कृतन्ति किन्तु तवायमथैनमन्तर्दीपप्रकाशः।।

(घ) खनेः कृष्णाङ्कारः बहिरायाती

असौ हरितपर्ण पश्यति

तदा शोकेनात्मानं प्रज्वालयति ।

7. निम्नलिखित में से **किन्ही चार** पर टिप्पणी लिखिए। (20)

Write comment on any four of the following.

(i) रामकरण शर्मा

(ii) पण्डिता क्षमा राव

(iii) यतीन्द्र विमल चौधुरी

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) जगन्नाथ पाठक

(v) जानकी वल्लभ शास्त्री

(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5180 **H**

Unique Paper Code : 2132102402

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **B. A. (H.) Sanskrit,**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं 3** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (18×3=54)

Answer **any three** questions out of the following:

(i) विश्व साहित्य से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत साहित्य के प्रति विभिन्न यूरोपीय दृष्टिकोणों का वर्णन करें ।

What do you understand by world literature? Describe the various European approaches towards Sanskrit literature.

(ii) वेदान्त दर्शन के महत्व तथा इसके वैश्विक प्रभाव का मूल्यांकन करें ।

Evaluate the importance of Vedanta philosophy and its global impact.

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के विभिन्न यूरोपीय भाषाओं में हुए अनुवादों तथा उनके प्रभाव का वर्णन करें ।

Describe the impact of translations of abhijñanasakuntalam into various European languages.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iv) पंचतंत्र की वैश्विक यात्रा का वर्णन करें ।

Describe the global journey of Panchatantra.

(v) ब्रिटेन में संस्कृत अध्ययन की परम्परा का वर्णन करें ।

Describe the tradition of Sanskrit studies in Britain.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (6×3=18)

Write short notes on **any three** of the following:

(i) दाराशिकोह के द्वारा किये गए उपनिषदों के फारसी अनुवाद ।

Persian translation of Upanishads by Darashikoh.

(ii) दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में रामायण की परम्परा ।

Ramayana tradition in Southeast Asian countries.

(iii) स्वच्छंदतावाद ।

Romanticism.

(iv) संयुक्त राज्य अमेरिका में संस्कृत अध्ययन की परम्परा ।

Tradition of Sanskrit studies in the United States of America.

(v) अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन समवाय ।

International Association of Sanskrit Studies.

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए: (8×1=8)

Write short note in Sanskrit on any **one** of the following:

(i) कालिदास की रचनाओं का वैश्विक प्रभाव ।

Global impact of Kalidasa's works.

(ii) औपनिषदिक दर्शन का महत्व ।

Importance of Upanishad's philosophy.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों के **तीन** भारोपीय भाषाओं के समतुल्य शब्द लिखिए: (2.5×4=10)

Give the equivalent from any three Indo&European languages for any four of the words given below

सूर्य वच् अश्व माता अग्नि श्रु

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5229 **H**

Unique Paper Code : 2132102403

Name of the Paper : Indian Epigraphy II

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

भाग 'क' / Part-A

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

(18×3=54)

Answer any **Three** questions of the following :

1. रुद्रदामन के गिरनार अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व लिखिए।

   Write historical importance of Girnar Inscription of Rudradaman.

2. महरौली लौहस्तंभ अभिलेख के चंद्र कौन हैं, विस्तार से लिखिए।

   Explain who is 'Chandra' of Mehrauli iron pillar.

3. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेख के महत्व पर चर्चा कीजिए।

   Discuss the importance of Inscription as a source of Ancient Indian history.

4. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को जानने में अभिलेखों की महती भूमिका है, स्पष्ट कीजिए।

   Explain the Significance of Inscriptions in understanding ancient Indian Culture and Society.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. प्राचीन भारतीय अभिलेखों में किस प्रकार से काल गणना की गई है ?

How is dating system adopted in the Ancient Indian Inscriptions?

भाग 'ख' / Part-B

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (9×2=18)

Translate any **Two** of the following :

(i) ।।ओं।। आविन्ध्यादाहिमाद्रेर्विरचित विजयस्तीर्थ यात्रा प्रसङ्गा-
दुद्वीवेषु प्रहर्त्ता नृपतिषु विनमत्कन्धरेषु प्रसन्नः ।
आर्यावर्तं यथार्थं पुनरपि कृतवान्लेच्छ विच्छेदनाभि-
र्देवः शाकम्भरीन्द्रो जगति विजयते वीसल क्षोणिपालः ।।

(ii) प्राप्तेन स्वभुजार्जितं च सुचिरं चैकाधिराज्य क्षितौ
चन्द्राह्वेन समग्रचन्द्रसदृशीं वक्त्रश्रियं बिभ्रता ।
तेनायं प्रणिधाय भूमिपतिना धावेन विष्णौ मतिं
प्रान्शुर्विष्णुपदे गिरौ भगवतो विष्णोर्ध्वजः स्थापितः ।।

(iii) गृहिणां स्वस्वगुणैस्त्रिवर्गतुङ्गा ।
विहितान्यक्षितिपालमानभङ्गाः ।
अभवन्नुपजातभीतिलिङ्गा ।
यदनीकेन सकोसलाः कलिङ्गाः ।।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

भाग 'ग' / Part-C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (9×2=18)

Write short notes on any **Two** of the following :

(i) देहली टोपरा प्रथम स्तम्भ अभिलेख।

First Pillar Edict Delhi Topra.

(ii) रुद्रदामा के द्वारा किये गए सामाजिक कार्य।

Describe the social works of Rudradaman.

(iii) अभिलेखों में वर्णित प्राचीन आर्थिक जीवन।

Ancient economic life described in Inscriptions.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1375 **H**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : **B.A. (H), Sanskrit – LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग – क / Section A

1. आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय देते हुए भारतीय दर्शन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए । (6)

Giving a general introduction to theistic philosophies, explain the purpose of Indian philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवादी विचार के रूप में मध्वाचार्य के दर्शन का वर्णन कीजिए ।

Describe Madhvacharya's philosophy as a dualistic thought.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. कार्यकारण विषयक विवर्तवाद एवं आरम्भवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the cause and effect related doctrines vivartavāda and āraṃbhavāda.

अथवा / OR

कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का वर्णन कीजिए।

Discuss the cause and effect doctrine of Saṃkhya.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write a short note on any **two** of the following :

(i) परिणामवाद

(Doctrine of Transformation)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(ii) यथार्थवाद

(Realism)

(iii) एकतत्त्ववाद

(Monism)

भाग – ख / Section B

4. पदार्थ की परिभाषा देते हुए द्रव्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

Giving the definition, discuss the types of dravya (matter). (7)

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार विशेष एवं अभाव पदार्थ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Viṣeśa and abhāvapadārtha according to Tarkasaṃgraha.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) परमपरं चेति द्विविधं सामान्यम् ।

(ii) चलनात्मकं कर्म ।

(iii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) आकाश

(ākāṣa)

(ii) आत्मा

(ātmā)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) समवायी – असमवायी कारण

(samavāyi-asamavāyikāraṅa)

(iv) यथार्थ अनुभव

(yathārtha-anubhava)

भाग – ग / Section C

7. प्रत्यक्ष का लक्षण निरुपित करते हुए षड्विधइन्द्रियार्थसन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए । (7)

Defining the Pratyaksh explain षड्विध इन्द्रियार्थसन्निकर्ष.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

Explain with example the differences of hetvabhasa according to the Tarkasamgraha.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्य ज्ञानं प्रत्यक्षम् ।

(ii) आप्तवाक्यं शब्दः ।

(iii) सर्वव्यवहारहेतुर्ज्ञानं बुद्धिः ।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम् ।

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write a note on any **two** of the following :

(i) पक्ष-सपक्ष-विपक्ष

(paksh-sapaksh-vipaksh)

(ii) केवलव्यतिरेकी

(kevalavyatireki)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(iii) संशय – तर्क

(sanshay-tark)

(iv) परामर्श

(Counseling)

(1500)

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1419 **H**

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (4)

Explain with examples the rules of चतुर्थी विभक्ति.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं 2 सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following sutras :

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्मणि द्वितीया, प्रातिपदिकार्थलिङ्ग-परिमाणवचनमात्रे प्रथमा

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वाक्यों में सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए : (4)

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(i) शिष्य: गुरुं प्रश्नं पृच्छति ।

(ii) छात्रजीवनं मानवजीवनस्य आधारशिला वर्तते ।

(iii) अर्जुन: धनुर्विद्यायां निपुण: आसीत् ।

(iv) वामन: बलिं वसुधां याचते ।

(v) उपाध्यायाद् अधीते ।

(vi) राम: रावणाय अलम् अस्ति ।

(vii) भोजनस्य हेतो: वसति ।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (4)

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं चार में वाच्य परिवर्तन कीजिए :

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Change the voice in any **four** of the following :

(i) सोहनः गृहं गच्छति ।

(ii) ते चलचित्रं पश्यन्ति ।

(iii) देवैः आशीर्वादाः दीयन्ते ।

(iv) सः गां दुग्धं दोग्धि ।

(v) त्वया मया तैः हस्यते ।

(vi) कन्या संस्कृतं पठति ।

(vii) गोपालः गीतं गायति ।

(viii) रामेण शीयते ।

4. शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (3)

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

अथवा / Or

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill up the blanks of any **six** of the following with suitable suffixes :

(i) त्वया भोजनं _____ (खाद्+क्त)।

(ii) _____ (हस्+शतृ) नरं पश्य।

(iii) रमेशः मोदकं _____ (दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।

(iv) आशुतोषः क्रीडनकानि _____ (क्री+तुमुन्) गमिष्यति।

(v) रमणिका भोजनं _____ (पच्+शानच्) अस्ति।

(vi) नरः नृपं _____ (प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।

(vii) कन्यया कुत्रापि न _____ (गम्+अनीयर्)।

(viii) विनीता पत्र _____ (लिख्+क्तवतु)।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए : (10)

P.T.O.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

Translate in Sanskrit Language any **ten** sentences of the following :

(i) तुम कहाँ जाते हो।

Where do you go.

(ii) लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं।

People worship God in temple.

(iii) शुभकर्म करने वालों को नमस्कार हो।

Greetings to good doers.

(iv) छात्रों का कल्याण हो।

Students should be blessed.

(v) तुम सब कब खेलोगे?

When did you all play?

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(vi) तुम जो बोओगे, वह काटोगे।

What you sow, so shall you reap.

(vii) भक्त शिव को नमस्कार करते हैं।

Devotees bow to Shiva.

(viii) गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है।

Gayatri mantra enriches one's intellect.

(ix) जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं।

Water the parts of the body.

(x) छात्रों ने लड्डू खाए।

Students ate laddoos.

(xi) तुम सब मेरे साथ चलो।

All of you move with me.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

(xii) माता गृहकार्य में कुशल है।

Mother is expert in household chores.

(xiii) घर के नीचे जल है।

There is water beneath the house.

(xiv) वृक्षों के ऊपर कौवे बैठे हैं।

Crows are sitting on the trees.

(xv) हम दोनों तुम दोनों को देखते हैं।

We both are looking you both.

(xvi) माँ बच्चे से प्यार करती है।

Mother loves the child.

6. अधोलिखित गद्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए - (10)

Translate the following into Sanskrit.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

राजा राहूगण पालकी में यात्रा कर रहे थे। चार मजदूर उनकी पालकी उठाए दौड़ रहे थे। सफर लंबा था। तभी एक कुएँ के पास पालकी उतारकर मजदूरों ने कहा, "प्यास लगी है, हुजूर! जरा पानी पीकर आते हैं।"

उनमें से एक मजदूर तो इतना थक गया था कि एक कदम भी चलने की हिम्मत उसमें बाकी नहीं थी। वह वहीं से जान छुड़ाकर भाग गया। अब बचे रहे तीन। पालकी कैसे उठाई जाये? इतने में सामने से जड़भरत आते दिखे।

King Rahugan was travelling in a palanquin. Four workers were running with their palanquins. The journey was long. Then the workers took off the palanquin near a well and said, "I am thirsty, sir! Let's drink some water."

One of the workers was so tired that he did not have the courage to walk even a single step. He escaped from there. Now three survive. How to lift the palanquin? In the meantime, roots were seen coming from the front.

...लिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

7. निम्न में से किसी **एक** का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any **one** of the following paragraphs into Hindi or into English :

कृष्णचन्द्रः नाम कश्चित् जनः आसीत्। सः रूपवान् महाधनिकः च आसीत्। दैवेन तस्मै सर्व दत्तम् आसीत्। सुन्दरी गुणवती च भार्या, उत्तमः सन्तानः, प्रियतमाः बान्धवाः, गुणवन्तः सुहृदः च तस्य आसन्। तथापि तस्य पूर्णा सन्तुष्टिः न आसीत्। "मम पार्श्वे सर्वम् अस्ति। अतः भाग्यवान् अस्मि एव, परन्तु किं एतानि सर्वाणि निरन्तरं ममं एवं भविष्यन्ति? यदि कदाचित् मम भाग्यं क्षीणं भविष्यति तर्हि कथम् अहं जीवेयम्? अपि च, आगामिनि जन्मनि अपि इदम् एव गृहं, क्षेत्रं, कुटुम्बं, भार्या, पुत्राः च किं मम भवेयुः? एतस्याः समस्यायाः परिहारः कः? इति विचारः तम् अहोरात्र बाधते स्म। यत् यं वा सः पश्यति तस्य विषये चिन्तयति- '**एतद् एषः वा सर्वदा किं मम एवं भविष्यति?**' इति। एतेन भोजने तस्य रुचिः विनष्टा। निद्रा अपि दूरं गता। एकस्मिन् दिने चित्तशान्ति अर्थं सः मन्दिरं गतवान्। तत्र प्रवचनकर्ता कश्चित् प्रवचनं कुर्वन् आसीत्। सः अवदत्- "**भूलोके सर्वम् अनित्यम् देवाः अमृतस्य सेवनात् चिरञ्जीविनः नित्यसुखिनः च भवन्ति**" इति।

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

अथवा / Or

ये जनाः दृढ़प्रतिज्ञाः भवन्ति, तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः भूतवन्तः ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेषपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्वन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवन वने वनेऽभ्रमत्। स्वभार्या बालश्च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनं बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्ग नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त, ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :- (15)

Write an essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :–

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, वेदानां महत्त्वम्, भारवेरर्थगौरवम्, गीता

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत-भाषा में लघु-निबन्ध लिखिए :- (15)

Write a short essay in Sanskrit language on **one** of the following topics :–

आतंकवादः, कोरोना, पर्यावरणसंरक्षणम्, संगणकस्य उपयोगिता

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY